ये अव्यक्त इशारे

सत्यता और सभ्यता रूपी कल्चर को अपनाओ

8-03-2025

जो निर्मान होता है वही नव-निर्माण कर सकता है। शुभ-भावना वा शुभ-कामना का बीज ही है निमित्त-भाव और निर्मान-भाव। हद का मान नहीं, लेकिन निर्मान। अब अपने जीवन में सभ्यता के संस्कार धारण करो। यदि न चाहते हुए भी कभी क्रोध या चिड़चिड़ापन आ जाए तो दिल से कहो ''मीठा बाबा'' तो एक्स्ट्रा मदद मिल जायेगी।

Adopt the culture of truth and good manners

Those who are humble will be able to work for the construction of the new world. To consider oneself an instrument and remain humble is the seed of good wishes and pure feelings. Instead of expecting any limited respect, remain humble. Now inculcate new sanskars of good manners and truth into your life. If anger or irritation emerges against your will, say, "My Baba", from your heart and you will receive extra help.